M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION – 2020

अनुक्रमांक/Roll No. | | | | |

Total No. of Questions : 12
कुल प्रश्नों की संख्या : 12

No. of Printed Pages : 05
मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 05

First Question Paper
प्रथम प्रश्न–पत्र
CIVIL LAW & PROCEDURE
व्यवहार विधि एवं प्रक्रिया

समय – 3:00 घण्टे
Time – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100
Maximum Marks – 100

निर्देश :–
Instructions :-

1. All questions are compulsory. Answer to all the Questions must be given in one language either in Hindi or in English. In case of any ambiguity between English and Hindi version of any question, the English version shall prevail.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी एक भाषा में ही देने हैं। यदि किसी प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी पाठ के बीच कोई संदिग्धता है, तो अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any Number or any mark of identification in any form or at any place of Answer Book that may be distinguished/ identified to the candidate from others, is strictly prohibited and shall in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.
उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।

3. Writing of answers must be clear & legible. If the writing on Answer Book is not clear or illegible in view of Valuer (s) then the valuation of such Answer Book may not be considered.
सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर–पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो ऐसी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

Q.No./ प्र.क्र.	Question / प्रश्न	Marks/ अंक

CONSTITUTION OF INDIA
भारत का संविधान

1. What are the implied limitations on the power of parliament to amend the constitution? Discuss citing relevant provisions of law and case laws. 8

1. संविधान को संशोधित करने की संसद की शक्तियों की विवक्षित सीमाएं क्या है ? सुसंगत विधिक प्रावधानों व न्यायदृष्टांतों की सहायता से व्याख्या करें। 8

2. **A)** What are the protections available to accused under Constitution of India? 4

B) Whether every judgment passed by Hon'ble Supreme Court of India has binding effect? Critically examine and cite exceptions, if any? 4

अ. भारतीय संविधान के अर्न्तगत अभियुक्त को क्या–क्या संरक्षण प्राप्त है ? 4

ब. क्या माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित प्रत्येक निर्णय का बंधनकारी प्रभाव है ? आलोचनात्मक परीक्षण करें तथा अपवाद, यदि कोई हो, तो लेख करें। 4

CIVIL PROCEDURE CODE, 1908
सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908

3. **A)** Whether an appeal is maintainable against the award of Lok Adalat? Discuss with relevant law and case laws. 4

B) Whether power of review is an inherent power? Discuss with relevant provisions of law? 4

अ. क्या लोक अदालत द्वारा पारित अवार्ड के विरूद्ध अपील पोषणीय है? सुसंगत विधिक प्रावधानों व न्यायदृष्टांतों की सहायता से व्याख्या करें। 4

ब. क्या पुनर्विलोकन की शक्ति एक अन्तर्निहित शक्ति है ? विधि के सुसंगत प्रावधानों के साथ व्याख्या करें। 4

4. Who can file appeal against decree? Discuss with relevant provisions and case laws. Who is aggrieved person entitled to file an appeal? Can one of the several plaintiffs or defendants obtain reversal of whole decree? If so, when? 8

4. डिक्री के विरूद्ध अपील कौन कर सकता है ? सुसंगत विधिक प्रावधानों व न्यायदृष्टांतों की सहायता से व्याख्या करें। अपील दायर करने के लिए "पीड़ित व्यक्ति" कौन है ? क्या कई वादियों या प्रतिवादियों में से एक पूरी डिक्री को उलटवा सकेगा? यदि हाँ, तो कब ? 8

TRANSFER OF PROPERTY ACT, 1882
संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882

5. What will be the effect of transfer of immovable property made without consideration with intent to defraud a subsequent transferee ? Discuss. 8

5. पश्चातवर्ती अन्तरिती को कपटपूर्वक अपवंचित करने के आशय से, प्रतिफल के बिना किये गये स्थावर सम्पति के अन्तरण का क्या प्रभाव होगा ? व्याख्या करें। 8

6. Define the doctrine of subrogation? What are the different kinds of subrogation? 8

6. प्रत्यासन के सिद्धांत से क्या अभिप्राय है ? प्रत्यासन कितने प्रकार का होता है ? 8

INDIAN CONTRACT ACT, 1872
भारतीय संविदा अधिनियम, 1872

7. Explain the effect on the liability of surety regarding payment of debt, in case of acknowledgment of liability by principal debtor. 8

7. ऋणी द्वारा दायित्व की अभिस्वीकृत किए जाने पर प्रतिभू के ऋण अदायगी के दायित्व पर प्रभाव का वर्णन करें। 8

8. Parties can restrict the legal rights and remedies available to them by entering into an agreement. Discuss the statement. Discuss the concept of choice of jurisdiction vis-a-vis Section 28 of the Indian Contract Act. 8

8. पक्षकार अनुबंध करके उन्हे उपलब्ध विधिक अधिकारों व उपचारों को निर्बन्धित कर सकते हैं। इस कथन की व्याख्या करें। संविदा पर अधिनियम की धारा–28 के संदर्भ में अधिकारिता के चयन की संकल्पना की व्याख्या करें। 8

SPECIF.C RELIEF ACT, 1963
विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963
(Chapter I, II & VI to VIII)

9. **A)** Explain preventive injunction and its governing provision? 5

B) Examine whether perpetual injunction can be granted in the following cases- 3

1) Where plaintiff prays that his standing crop is likely to be harvested very soon by defendant?

2) Where injunction prayed for, is for enforcement of an obligation arising from breach of contract, which cannot be specifically enforced?

3) Where alternative efficacious remedy is available ?

9. **अ.** निषेधात्मक व्यादेश एवं इसे शासित करने वाले प्रावधान की व्याख्या करें। 5

ब. क्या निम्न मामलों में शाश्वत व्यादेश दिया जा सकता है परीक्षण करें :– 3

1) जहाँ वादी प्रार्थना करता है कि बहुत शीघ्र प्रतिवादी उसकी खडी फसल को काटने वाला है।

2) जहाँ इप्सित व्यादेश, संविदा भंग से उत्पन्न ऐसी बाध्यता के प्रवर्तन हेतु है जिसका विनिर्दिष्टः पालन प्रवर्तनीय नहीं है।

3) जहाँ वैकल्पिक प्रभावकारी उपचार उपलब्ध है।

LIMITATION ACT, 1963
परिसीमा अधिनियम, 1963
(Part II & III)

10. "The right of a party entitled to get relief from consequences of fraud or mistake cannot be affected by lapse of time." Discuss. 8

10. कपट या त्रुटि के परिणामस्वरूप अनुतोष प्राप्त करने के पक्षकार के अधिकार समय व्यतीत होने से प्रभावित नहीं हो सकते हैं ? व्याख्या करें। 8

HINDU MARRIAGE ACT, 1955
हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955
(Sections – 5, 9, 10, 13A, 13B, 24 to 27)

11. **A)** Mohan, a Hindu male and Maria, a Christian woman, who had got married just six months earlier, mutually filed a divorce petition under Section 13-B of Hindu Marriage Act, 1955. Decide citing relevant provision of law. 4

B) Discuss the legal status of second marriage, if a Hindu marries second time after getting an ex-parte decree for divorce and decree is set aside later on. 4

अ. मोहन, एक हिन्दू पुरूष व मारिया, एक ईसाई महिला, जिन्होने मात्र 6 माह पूर्व ही विवाह किया था, धारा– 13–बी हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत पारस्परिक सहमति से तलाक हेतु याचिका दायर करते हैं। विधि के सुसंगत प्रावधानों का उल्लेख करते हुए निर्णीत करें। 4

ब. यदि कोई हिन्दू, विवाह–विच्छेद की एकपक्षीय डिक्री प्राप्त करने के उपरान्त दूसरा विवाह कर लेता है और बाद में ऐसी डिक्री अपास्त कर दी जाती है, तो दूसरे विवाह की वैधानिक प्रस्थिति पर चर्चा करें। 4

MIXED/मिश्रित

12. **Write Short-notes on / संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : -**

A. Discuss the doctrine of "Pith and substance" and the doctrine of "Colourable Legislation" as applicable to Indian Constitution. 6

अ. भारतीय संविधान पर प्रयोज्य "तत्व एवं सार का सिद्वान्त" तथा "आभासी विधायन का सिद्वान्त" की व्याख्या करें। 6

B. What is counter claim? What is the difference between counter claim and cross-objection? What are the restrictions to file counter claim? Whether a defendant can institute a counter claim against co-defendant? Whether a co-defendant can be permitted to cross-examine another co-defendant and his witnesses? If yes, then when? 6

ब. प्रतिदावा क्या है ? प्रतिदावा व प्रति–आपत्ति में क्या अन्तर है ? प्रतिदावा प्रस्तुत किए जाने पर क्या निर्बन्धन हैं ? क्या एक प्रतिवादी, सह–प्रतिवादी के विरूद्ध प्रतिदावा प्रस्तुत कर सकता है ? क्या एक सह–प्रतिवादी को अन्य सह– प्रतिवादी व उसके साक्षियों के प्रतिपरीक्षण की अनुमति दी जा सकती है ? यदि हाँ, तो कब ? 6

****